Department of Elementary Education

Department Report 2024-25

विभागीय प्रतिवेदन 2024-25

आई.एच.ई. में एल.एड. के 20 वर्ष पूरे होने का स्मरण

प्राथमिक शिक्षा विभाग ने अपनी स्थापना के 20 उल्लेखनीय वर्षों का उत्सव मनाया। इस महत्वपूर्ण अवसर को चिह्नित करने के लिए विभाग ने 14 दिसम्बर, 2024 को एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें एक नाट्य प्रस्तुति शामिल थी। इस समारोह का मुख्य आकर्षण ''सरदारजी'' नामक एक नाट्य प्रस्तुति थी, जिसे *जश्न-ए-कलम* (मुंबई स्थित पेशेवर रंगमंच एवं फिल्म कलाकारों का समूह) ने *ख्वाजा अहमद अब्बास मेमोरियल ट्रस्ट* के सहयोग से प्रस्तुत किया। अपनी विशिष्ट कहानी कहने की शैली के लिए प्रसिद्ध इस समूह ने दर्शकों को इतिहास और भावनाओं की एक संवेदनशील यात्रा पर ले जाते हुए एक प्रभावशाली प्रस्तुति दी। यह आयोजन हमारे महाविद्यालय में विभाग की दो दशक लंबी यात्रा को उपयुक्त रूप से सम्मानित करता है।

क्षेत्र भ्रमण

नवोन्मेषी क्षेत्र भ्रमण (दिल्ली से बाहर): बोध शिक्षा समिति 2024-25

फरवरी 2024 (18 फरवरी से 21 फरवरी 2024) में तृतीय वर्ष के बी.एल.एड. छात्रों ने तीन संकाय सदस्यों के साथ राजस्थान के अलवर स्थित *बोध शिक्षा समिति* का शैक्षिक भ्रमण किया। इस सी.एम. प्रैक्टिकम में कुल 53 छात्र शामिल हुए, जिनके साथ डॉ. सुनीता मिश्रा, डॉ. ज्योति वत्स और सुश्री छाया राजोरा रहीं। छात्रों ने ग्रामीण क्षेत्रों के विभिन्न विद्यालयों का दौरा किया, जहाँ उन्होंने वैकल्पिक शिक्षण-अधिगम पद्धतियों को जमीनी स्तर पर लागू होते हुए देखा और अनुभव किया। इस यात्रा ने छात्रों को स्थानीय समुदाय से बातचीत करने का अवसर प्रदान किया। इससे उन्हें ग्रामीण संदर्भों में शैक्षिक अनुभवों को आकार देने वाली जटिल सामाजिक वास्तविकताओं को समझने और उन पर विचार करने में मदद मिली। इन अंतःक्रियाओं और कक्षा अवलोकनों के माध्यम से छात्रों और शिक्षकों को शिक्षा और समाज के अंतर्संबंध तथा समुदाय की भागीदारी से सीखने के वातावरण के समृद्ध होने के तरीकों पर गहन अंतर्दृष्टि प्राप्त हुई।

दिल्ली के भीतर क्षेत्र भ्रमण

प्राथमिक शिक्षा विभाग और पुस्तकालय समिति ने संयुक्त रूप से 8 फरवरी, 2025 को ''नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2025'' का सफल भ्रमण आयोजित किया। इस कार्यक्रम में उत्साही छात्रों का एक समूह शामिल हुआ। मेले में विभिन्न प्रकाशकों और लेखकों की विशाल पुस्तकों का संग्रह प्रदर्शित किया गया। छात्रों ने लेखकों के साथ संवाद किया, पुस्तक पाठ में भाग लिया और एकलव्य, एन.बी.टी., एन.सी.ई.आर.टी., एकतारा ट्रस्ट, राजकमल प्रकाशन, ऑक्सफोर्ड आदि जैसे कई प्रकाशकों की नवीनतम पुस्तकों का अवलोकन किया। कुल 50 छात्र इस भ्रमण में सम्मिलित हुए। उन्होंने विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया और इस

अनुभव का आनंद उठाया। इस भ्रमण का संयोजन सुश्री सुप्रिया मुखर्जी, डॉ. संतोष यादव और डॉ. मीनू बथाम ने किया।

मुख्य सामाजिक विज्ञान परियोजना के अंतर्गत

1 मार्च, 2025 को छात्रों ने *त्रिवेणी कला संगम* में आयोजित *उर्मुल रंगसूत्र मेला* का भ्रमण किया। इस भ्रमण ने छात्रों को कारीगरों को पर्यावरण-हितैषी उत्पाद जैसे कागज़ की थैलियाँ, वस्त्र, पायदान और डायरियाँ बनाते हुए देखने का अवसर प्रदान किया। छात्रों ने कारीगरों से संवाद कर उनके कार्यप्रक्रियाओं, प्रयुक्त कच्चे माल, उत्पादन लागत और इन गतिविधियों की आजीविका उत्पन्न करने में भूमिका के बारे में जानकारी प्राप्त की। इस भ्रमण ने छात्रों को सतत् प्रथाओं के महत्व और स्थानीय कारीगरों को सशक्त बनाने व पर्यावरण-हितैषी उद्यमिता को बढ़ावा देने में सामाजिक संगठनों की भूमिका को समझने का अवसर दिया। इस भ्रमण का संयोजन डॉ. ज्योति वत्स ने किया।

राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र का भ्रमण

प्राथमिक शिक्षा विभाग ने 5 मार्च, 2025 को चौथे वर्ष के पी.एन.एस. (प्राकृतिक विज्ञान शिक्षण पद्धति) वैकल्पिक छात्रों के लिए *राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र* का भ्रमण आयोजित किया। कुल 9 छात्रों ने इस भ्रमण में भाग लिया, जहाँ उन्होंने विभिन्न प्रदर्शनी, गैलरियाँ और प्रयोगात्मक सेटअप देखे। डॉ. कविता रानी ने पूरे भ्रमण के दौरान छात्रों का मार्गदर्शन किया। इस भ्रमण ने छात्रों को प्रत्यक्ष अनुभव द्वारा वैज्ञानिक अवधारणाओं को समझने और प्रयोगात्मक प्रदर्शनियों से सीखने का अवसर दिया।

स्मरणीय दिवस

राष्ट्रीय गणित दिवस

प्राथमिक शिक्षा विभाग ने 24 दिसम्बर, 2024 को महान गणितज्ञ श्रीनिवास रामानुजन की जयंती के अवसर पर *राष्ट्रीय गणित दिवस* मनाया। इस अवसर पर *एडवेंचर्स इन प्रॉब्लम सॉल्विंग: सेलिब्रेटिंग एस. रामानुजन* विषय पर एक कार्यशाला आयोजित की गई, जिसका संचालन डॉ. जोनकी बी. घोष ने किया। कार्यशाला के पश्चात् *"नोइंग रामानुजन"* नामक एक ऑनलाइन क्विज़ भी आयोजित की गई।

मानवाधिकार दिवस

कॉलेज के छात्रों में मानवाधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु 10 दिसम्बर, 2024 को *सक्षम इकाई* ने प्राथमिक शिक्षा विभाग के सहयोग से "मानवाधिकार शिक्षा" पर आधारित एक फिल्म की विशेष स्क्रीनिंग आयोजित की। इस पहल का उद्देश्य छात्रों को मौलिक मानवाधिकारों, सामाजिक न्याय और इन अधिकारों के संवर्धन व संरक्षण में व्यक्तियों की भूमिका के प्रति शिक्षित करना था। स्क्रीनिंग में विभिन्न विषयों के छात्रों ने सक्रिय भागीदारी की। छात्रों ने फिल्म की विचारोत्तेजक सामग्री की सराहना की। यह आयोजन युवाओं में जिम्मेदारी और सक्रियता की भावना जगाने के लिए एक मूल्यवान शैक्षिक साधन सिद्ध हुआ। इस सत्र का संयोजन सुश्री शर्मिला राठी और डॉ. ज्योति वत्स ने किया। इस कार्यक्रम में कुल 54 छात्र सम्मिलित हुए।

क्षेत्र से विशेषज्ञों के साथ सत्र

छात्रों के अनुभव को समृद्ध बनाने हेतु वर्ष भर में कई कार्यशालाएँ, व्याख्यान और ओरिएंटेशन सत्र आयोजित किए गए। कुछ प्रमुख इस प्रकार हैं:

- 20 सितम्बर 2024 को "शोध: एक परिचय" विषय पर आमंत्रित व्याख्यान आयोजित किया गया। प्रो. निधि गुलाटी, डॉ. संतोष यादव और सुश्री दीप्ति सैनी द्वारा संयोजित इस सत्र का संचालन अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय के प्रो. हृद्यकांत देवान ने किया। इसमें शिक्षा में शोध के मूलभूत सिद्धांतों को स्पष्ट किया गया और छात्रों को अनुसंधान-आधारित परियोजनाओं की ओर प्रेरित किया गया।

- नवम्बर 2024 में "क्राफ्ट एक्टिविटीज़" पर कार्यशाला आयोजित की गई, जिसका संचालन सुश्री सीमा सैनी (फेविक्रिल) ने किया। इस हैंड्स-ऑन सत्र ने छात्रों को रचनात्मक विधियों का अन्वेषण करने और उन्हें शिक्षण में एकीकृत करने का अवसर दिया।

- 17 जनवरी 2025 को "समावेशी विद्यालय संस्कृति: कक्षा शिक्षक की भूमिका" विषय पर प्रो. अंकुर मदान (निदेशक, स्कूल ऑफ एजुकेशन, अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय) का व्याख्यान आयोजित हुआ। इस संवादात्मक सत्र में उन्होंने विद्यालयों में समावेशिता और समानता को बढ़ावा देने की बारीकियों पर चर्चा की। यह समृद्ध सत्र छात्रों और शिक्षकों दोनों के लिए उपयोगी रहा। इसमें 64 छात्र और 13 शिक्षक उपस्थित रहे। आयोजन का संयोजन सुश्री शर्मिला राठी ने किया।

- 13 सितम्बर 2024 को "विविधीकृत शिक्षण" पर कार्यशाला आयोजित हुई, जिसे बेंगलुरु स्थित अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय की सुश्री गरिमा गुप्ता ने संचालित किया। चार घंटे तक चली इस कार्यशाला में 56 छात्रों ने भाग लिया और कक्षा में विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के प्रभावी दृष्टिकोणों पर चर्चा की।

- 14 जून 2024 को विभाग की छह पूर्व छात्राओं ने "वैकल्पिक पत्रों के लिए सूचित चयन करना" विषय पर ओरिएंटेशन सत्र संचालित किया। इसने वर्तमान छात्रों को अपने शैक्षणिक रुचियों और भविष्य के लक्ष्यों के अनुरूप वैकल्पिक पाठ्यक्रम चुनने की प्रक्रिया को समझने में मदद की।

नियुक्ति-संबंधी गतिविधियाँ

- 17 जनवरी 2025 को सुश्री शर्मिला राठी द्वारा "संभावनाओं की खोज: एम.ए. इन एजुकेशन एवं अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेशन" विषय पर सत्र आयोजित किया गया। इसका संचालन प्रो. अंकुर मदान ने किया, जिसमें छात्रों को पाठ्यक्रम पूर्ण होने के बाद संभावित करियर मार्गों के बारे में जानकारी दी गई। इसमें 38 छात्र और 12 शिक्षक शामिल हुए।

- 25 मार्च 2025 को "एम.ए. शिक्षा: प्रासंगिकता और संभावनाएँ" विषय पर सत्र आयोजित किया गया। इसका संयोजन सुश्री शर्मिला राठी और प्रो. ज्योति दलाल ने किया। इस सत्र में महिंद्रा विश्वविद्यालय के प्रो. डॉ. श्रीनिवास राव श्रींगरापु (डीन, आईएमएसओई) और प्रो. बिनय पाठक ने छात्रों को शिक्षा के नए परिदृश्य और नीति परिवर्तनों के संदर्भ में एम.ए. शिक्षा की संभावनाओं से अवगत कराया।

- विभिन्न प्रतिष्ठित विद्यालयों (कैम्ब्रिज स्कूल, नोएडा सेक्टर 27; इंदिरापुरम; ग्रेटर नोएडा; उत्तम स्कूल फॉर गर्ल्स; यात्था स्कूल; हैप्पी पब्लिक स्कूल आदि) के वरिष्ठ अधिकारियों को चौथे वर्ष के छात्रों को शिक्षक की भूमिका और विद्यालय में नौकरी प्राप्त करने की प्रक्रिया से अवगत कराने के लिए आमंत्रित किया गया। इसके पश्चात विभाग की पहल से कैंपस प्लेसमेंट आयोजित किए गए और कई छात्रों को नियुक्ति प्राप्त हुई।

इंटर्नशिप

इंटर्नशिप शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण अंग है। कुल 55 छात्रों ने इसमें भाग लिया ताकि उन्हें कक्षा शिक्षण और अधिगम प्रक्रियाओं का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त हो सके। यह इंटर्नशिप दो चरणों में आयोजित की गई:

1. प्राथमिक विद्यालय इंटर्नशिप – 27 अगस्त 2024 से 6 दिसम्बर 2024 तक एम.सी.डी. के राज्य संचालित प्राथमिक विद्यालयों में (तीन माह 11 दिन)।
2. मध्य विद्यालय इंटर्नशिप – 14 जनवरी 2025 से 21 फरवरी 2025 तक केंद्रीय विद्यालयों में (पाँच सप्ताह)।

इस दौरान छात्र-शिक्षकों को मध्य विद्यालय स्तर की शिक्षण प्रथाओं का अनुभव कराया गया। उन्होंने कक्षा अवलोकन, पाठ योजना निर्माण, शिक्षण कार्य और अपने अनुभवों पर आधारित चिंतनशील डायरी का लेखन किया। विद्यालय जीवन में डूबते हुए उन्होंने वहाँ की दैनिक गतिविधियों में भाग लिया और विभिन्न भूमिकाओं व जिम्मेदारियों का निर्वहन किया।

समग्र रूप से यह इंटर्नशिप सिद्धांत और व्यवहार के बीच संबंध को समझने का एक मूल्यवान अवसर बनी, जो किसी भी परिवर्तनकारी कार्यवाही और विचारों के उद्गम के लिए केंद्रीय है।

Commemorating 20 years of El.Ed. at IHE

The Department of Elementary Education celebrated 20 remarkable years of its establishment. To mark this milestone, the Department organized a cultural event featuring a theatrical performance on December 14, 2024. The highlight of the celebration was a skit titled *"Sardarji"*, presented by Jashn-e-Qalam, a Mumbai-based collective of professional stage and screen actors, in collaboration with the Khwaja Ahmad Abbas Memorial Trust. Renowned for their unique storytelling format, the group offered an evocative performance that took the audience on a compelling journey through history and emotion. The event fittingly honored the Department's two-decade-long journey at our college.

Field visits

Innovative field visit (outside Delhi): Bodh Shiksha Samiti 2024-25

In February 2024 (18th February, 25 to 21st February, 25), third-year B.El.Ed students, along with three faculty members, visited Bodh Shiksha Samiti in Alwar, Rajasthan, as part of theCM practicum. 53 students were accompanied by Dr. Suneeta Mishra, Dr. Jyoti Vats and Ms. Chaya Rajora. The students visited various schools in rural areas, where they observed and experienced alternative teaching-learning practices being implemented at the grassroots level. The visit provided an opportunity to students to interact with the local community. It enabledthem to capture and reflect upon the complex social realities that shape educational experiences in rural contexts. Through these interactions and classroom observations at various schools, the students and faculty gained deeper insights into the interface between education and society, and the ways in which community participation enriches the learning environment.

Field visits within Delhi

The Library Committee in collaboration with the Department of Elementary Education organized a successful visit to the "New Delhi World Book Fair 2025" on 8th February, 2025, at 11 AM onwards. A group of enthusiastic students attended the event. The fair showcased a vast collection of books from various publishers and authors. Students engaged with authors, attended book readings, and explored the latest publications of various publishers such as Eklavya, NBT, NCERT, Ektara Trust, Rajkamal Prakashan, Oxford etc. Total 50 Students joined the visit. They also participated in various activities and enjoyed the exposure.The visit was coordinated by Ms. Supriya Mukherjee, Dr. Santosh Yadav and Dr. Meena Batham.

As part of the Core Social Science project, students visited the Urmul Rangsutra Mela at Triveni Kala Sangam on 1st March, 2025. The visit provided an opportunity to observe artisans engaged in crafting eco-friendly products such as paper bags, textiles, doormats, and diaries. Students interacted with artisans to gain insights into their work processes, the raw materials used, production costs, and the role of these activities in generating employment. This visit allowed students to explore the importance of sustainable practices and understand the role of social organizations in empowering local artisans and promoting eco-friendly entrepreneurship. This was coordinated by Dr. Jyoti Vats.

The Department of Elementary Education organized a visit to the National Science Centre on 5th March 2025 for PNS (Pedagogy of Natural Science) optional students of the 4th year. A total of nine students participated in the visit, where they explored various exhibits, different galleries, and experimental setups. Dr. Kavita Rani accompanied students throughout the visit. The visit provided an opportunity for hands-on learning and engagement with scientific concepts, enhancing their understanding through interactive displays and demonstrations.

Commemorative Days

National Mathematics Day

The Department of Elementary Education celebrated National Mathematics Day on 24th December 2024 in fond remembrance of the great mathematician S. Ramanujan, commemorating his birth anniversary. A workshop on Adventures in Problem Solving: Celebrating S. Ramanujan was organised for students and faculty members which was facilitated by Dr. Jonaki B. Ghosh. Following the workshop, an online quiz titled "Knowing Ramanujan" was organized for the students.

Human Rights Day

To raise awareness about human rights among college students, a special screening of the movie on "Human Rights Education" was organized on 10.12.2024 by the Enabling Unit in collaboration with the Department of Elementary Education. The objective of this initiative was to educate students about fundamental human rights, social justice, and the role of individuals in promoting and protecting these rights. The screening witnessed active participation from students across various disciplines. The event was well-received by the students, who appreciated the thought-provoking content of the film. The screening served as a valuable educational tool to instill a sense of responsibility and activism among the youth. Session was organized and facilitated by Ms. Sharmila Rathee and Dr. Jyoti Vats. Event was attended by 54 students.

Sessions with experts from the field

To provide an enriching experience, number of workshops, talks, and orientation sessions were organized for students. Some of them are as follows:

On 20th September 2024, an invited talk on "Research: An Introduction" was organized by Prof. Nidhi Gulati, with Dr. Santosh Yadav and Ms. Deepti Saini. The session was led Prof. Hridyakant Dewan from Azim Premji University. This session introduced and clarified the fundamentals of research in education, encouraging students to engage in inquiry-based research projects and their contours.

In November 2024, a workshop on "Craft Activities" was organized by Ruchi Mittal with Ms. Seema Saini from Fevicryl as the resource person. This hands-on session allowed participants to explore creative methods and integrate craft into teaching practices.

On 17th January 2025, an invited talk on *"Inclusive School Cultures: Role of the Classroom Teacher"*, was delivered by Prof. Ankur Madan, Director, School of Education, Azim Premji University. In a dialogic manner, Prof. Madan engaged with students delving on the nuances involved in the fostering inclusivity and equity in school environments. This interactive and enriching session discussed the concept of inclusion in education and the role played by different stakeholders in creating inclusive educational spaces. Event was attended by students as well as faculty members. Ms. Sharmila Rathee was the event organizer for this talk. Event was attended by 64 Students 13 faculty members.

A workshop on 'Differentiated Instruction' was organized on 13th September, 2024 to discuss the effective approaches to cater to the diverse needs of students in regular classrooms. Ms. Garima Gupta (Azim Premji University, Bengaluru) facilitated the workshop in her position as Resource Person for the workshop. Lasting for about four hours and being attended by 56 fourth year students, workshop provided opportunity to students to deliberate on various pedagogical aspects to ensure inclusion in education. Ms. Sharmila Rathee facilitated the session and collaborated with resource person to deliver the content.

With this, on 14th June 2024, an orientation session on "Making Informed Choices for Optional Papers" was conducted by six alumna students of the Department of Elementary Education, IHE. This session helped

current students understand the process of selecting optional courses and making decisions aligned with their academic interests and future goals.

Placement Related activities

A session on 'Discovering Possibilities: M.A. in Education & Early Childhood Care and Education' was organized by Ms. Sharmila Rathee on 17th Jan 2025. Prof. Ankur Madan (Director, School of Education, Azim Premji University) facilitated the session in which she oriented final (fourth) year students about different possible avenues after the completion of their current course and discussed the pathways to make a career in those avenues. Event was attended by 38 Students 12 faculty members.

A session on 'M.A. Education: Relevance and Scope' was organized by Ms. Sharmila Rathee and Prof. Jyoti Dalal on 25th March 2025. Prof. Dr Srinivasa Rao Srungarapu, (Dean, IMSOE, Mahindra University) and Prof Binay Pathak (Faculty, IMSOE, Mahindra University) facilitated the session in which they oriented final (fourth) year students about relevance of M.A. education in light of recent policy developments and eduction scenerio. They facilitated discussion on various avenues after M.A. education as well as the process to secure admission in eminent universities.

Senior officials from various eminent schools (including Cambridge school: Noida sec 27, Indirapuram, Greater Noida; Uttam School for Girls; Yatha School; Happy Public School) were invited to orient interest 4th year students about the role of a teacher and the process to secure a job in school. Following the orientation, campus placements were facilitated and a good number of students got placement through department initiative.

Internship

Internship stands as an important component of the teacher education programme. 55 students undertook this to gain experience in classroom teaching and learning processes. The internship was designed in two phases: Primary School Internship and Middle School Internship. The first phase of the internship was organized in the state-run primary schools of MCD from 27th August 2024 to 6th December 2024, covering a period of three months and eleven days. The second phase of the internship was carried out in Kendriya Vidyalayas from 14th January 2025 to 21st February 2025, covering a period of five weeks. In this stage, student-teachers were exposed to teaching practices at the middle school level. During the internship, they engaged in classroom observations, lesson planning, their transactions in the classroom, and developing reflective journals based on their experience. By immersing themselves in the school, they participated in the everyday life of the school and handled differing roles and responsibilities that came their way as an intern. Overall, this served as a valuable space to explore the theory-practice connect which is central for any transformative action as well as for the genesis of any idea.

GPS Map Camera
SH 52, Thanagazi, Alwar, Rajasthan 301022, India
Lat 27.381532, Long 76.212938
02/21/2025 09:07 AM GMT+05:30
Note : Captured by GPS Map Camera

HITACHI
GPS Map Camera
New Delhi, Delhi, India
F-4, Block F, Police Colony, Hauz Khas, New Delhi, Delhi 110016, India
Lat 28.546775° Long 77.206685°
25/03/2025 10:17 AM GMT +05:30
Google

World Book Fair
विश्व पुस्तक मेला
Hall 2
GPS Map Camera
New Delhi, Delhi, India
J67v+x3p, Pragati Maidan, New Delhi, Delhi 110001, India
Lat 28.615426° Long 77.242839°
08/02/2025 11:42 AM GMT +05:30
Google